मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक
अप्रैल – मई 2022
वर्ष 9, अंक 6, पृ.सं. 20

99 वर्षीय श्री सत्यनारायण शर्मा
रविन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, प्रयागराज में
दिसम्बर 2020 से आरामपूर्वक रह रहे हैं।

मंगल अवसर, हार्दिक निमंत्रण

तारा संस्थान, उदयपुर
के
नवीन आनन्द वृद्धाश्रम
का
उद्घाटन समारोह

आशीर्वाद से

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान

सादर आमन्त्रण

उद्घाटन दिनांक :
16-17 जुलाई, 2022, समय : प्रातः 11.00 बजे

उद्घाटन स्थल :
नवीन आनन्द वृद्धाश्रम, प्लॉट नं. 351-352, जे. ब्लॉक,
राजस्थान हॉस्पीटल वाली गली, सेक्टर - 14, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)

समारोह में सबके प्रिय एवं आदरणीय
डॉ. कैलाश जी मानव (संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान) एवं उनकी सहधर्मिणी
श्रीमती कमला देवी का शुभ आशीर्वाद एवम् सान्निध्य होगा।

आपश्री का परिवार सहित पधाराना समारोह की शोभा व हमारा मान बढ़ाएगा, अतः आपको सादर आमन्त्रित करते हुए निवेदन कर रहे हैं, कृपया 16–17 जुलाई, 2022 को आयोज्य नवीन आनन्द वृद्धाश्रम के उद्घाटन समारोह में पधार कर हमारा उत्साहवर्धन करें।

-: सादर :-

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

दीपेश मित्तल
संस्थापक एवं सचिव

कृपया समारोह में पधारने की पुष्टि
+91 95493 99993, 96493 99993 पर करने का कष्ट करें।

नोट : कृपया कार्यक्रम के पश्चात् भोजन महाप्रसाद हमारे साथ ग्रहण करें।

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक: 31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती दीपा - श्री ओमप्रकाश मल्होत्रा
फरीदाबाद

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्रीमती लता - श्री लक्ष्मण दास भाटिया
मुम्बई

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 9, अंक - 6, अप्रैल 2022 - मई 2022

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
उद्घाटन समारोह - सादर आमंत्रण	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 - गेहूँ के दाने	04
लेख : 2 - तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. में एक दिन	05
आनन्द वृद्धाश्रम	06
तारा नेत्रालय	07
विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना	08
अन्नदान (तृप्ति) योजना	09
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर	10
मस्ती की पाठशाला	11
कल्याणी योजना / रेटिना परामर्श	12
न्यूज ब्रीफ	13-15
नेत्रालय मासिक अपडेट्स / धन्यवाद	16
अभिनन्दन / हार्दिक श्रद्धांजलि / हमारे प्रेरक	17-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

गेहूँ के दाने...

एक कहानी सुनी थी जो कुछ इस प्रकार थी। एक राजा के 3 बेटे थे, राजा बहुत ही सोच में रहते थे कि इनमें से किसे अपना उत्तराधिकारी बनाऊँ क्योंकि वे चाहते थे कि सबसे श्रेष्ठ ही उनके बाद राजा बने। उनकी चिंता जब उन्होंने अपने गुरु को बताई तो गुरुजी ने राजा को एक तरकीब बताई। राजा ने अपने तीनों बेटों को बुलाया और उन्हें एक–एक बोरी गेहूँ दिया और कहा कि मैं एक साल के लिए बाहर जा रहा हूँ और ये गेहूँ तुम्हें संभाल कर रखने हैं। इनमें एक रत्ती भी कम नहीं होना चाहिये जिनके भी थोड़ा गेहूँ कम होगा वो राजा बनने के योग्य नहीं माना जाएगा। राजकुमार चिंतित हो गए। एक राजकुमार ने तो उस बोरी को एक कमरे में रखवा कर बाहर बड़ा ताला लगा दिया और दो चौकीदार बिठा दिए। दूसरे राजकुमार ने उन गेहूँ को एक संदूक में रख दिया और उसमें नीम के पत्तों का चूरा मिला दिया जिससे उनमें कीड़े नहीं लगे। तीसरे राजकुमार ने एक खेत तैयार कराया और उसमें गेहूँ उगा दिए। राजा वापस आया पहले राजकुमार के गेहूँ सड़ चुके थे, उनमें कीड़े पड़ गए थे दूसरे राजकुमार ने शान से संदूक खोला तो उसमें गेहूँ तो सही सलामत थे लेकिन उनमें नीम की कड़वाहट आ गई थी। राजा ने तीसरे से पूछा तो वो राजा को बाहर खेत पर ले गया वहाँ गेहूँ की लहलहाती फसल खड़ी थी। एक–एक दाने ने न जाने कितने दानों को जन्म दे दिया था। सीधी सी बात थी तीसरा राजकुमार उत्तराधिकारी घोषित हुआ।

सरल सी कहानी है ये, या इससे मिलती जुलती कहानियाँ आपने भी पढ़ी होगी लेकिन इसमें जो गूढ़ता है वो यह कि दाने जिनमें जीवन था उन्हें यदि पड़ा रखा तो वो सड़ गए और जैसे ही उनका सही उपयोग हुआ तो उनसे नया जीवन अंकुरित हो गया। मुझे हमेशा लगता है कि हमारे डोनर भी उन गेहूँ के दानों की तरह हैं जो नया जीवन पल्लवित कर रहे हैं और सच मानें ऐसा हम दिल से महसूस करते हैं और मैं चाहती हूँ कि आपको ये एहसास होवे कि आप भी जीवन दे रहे हैं, पूरी दुनिया की 700–750 करोड़ की आबादी में कितने लोग हैं जो दूसरों के लिए सोचते हैं, और उन थोड़े लोगों में आप भी हैं। मैंने बहुत से लोगों को प्रवचन देते सुना है जो कहते हैं कि धन की अभिलाषा मत करो लेकिन उनके खुद के अंदर धन की लोलुपता होती है, मेरा मानना यह है कि अच्छी जीवन शैली पर सबका अधिकार है और दान भी तब देना चाहिए जब कोई अपने और परिवार की आवश्यकताओं को अच्छे से पूरा कर ले। लेकिन मैंने पिछले 20–25 सालों में नारायण सेवा और तारा में हजारों ऐसे लोगों को देखा है जो अपनी आवश्यकताओं में कमी करके दान देते हैं। उनका जो भाव है वो जीवन देने का भाव है। ईश्वर ने आपको जो जीवन दिया है आप उस जीवन का सदुपयोग कर कई लोगों को जिन्दगी दे रहे हैं।

जिन्दगी देने का तात्पर्य केवल जन्म और मृत्यु से नहीं है वरन् आप किसी गरीब बुजुर्ग की आँखों में रोशनी दे रहे हों, या वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को अंत समय में स्वाभिमान भरा आश्रय या विधवा महिलाओं को सहायता या तृप्ति में तृप्त करने वाला राशन तो ये भी तो जीवन देना ही है। सृष्टि में जितनी भी सजीव जातियाँ हैं उनमें सबसे बुद्धिमान मनुष्य है तभी तो वो सोच सकता है कि अपने से हट कर दूसरों के लिए भी कुछ किया जाए लेकिन शायद ईश्वर यह सौभाग्य भी सबको नहीं देता है बस आप जैसे कुछ भाग्यशाली लोग ही हैं जो अपने जीवन से जिन्दगी देकर खुशियों की फसल उगा रहे हैं....

आप सभी दानदाताओं को मेरा सादर प्रणाम....

– कल्पना गोयल

तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. में एक दिन

सुबह 8 बजे तारा नेत्रालय, उदयपुर खुल जाता है एवं खुलते ही रोगियों की भारी आवाजाही प्रारम्भ हो जाती है। इनमें कई तरह के रोगी हैं। प्रथम वे जो पहली बार जाँच करवाने आए हैं वह ग्रामीण क्षेत्र अथवा स्थानीय शहरी भी हो सकते हैं। दूसरे वे स्थानीय जो अगले दिन मोतियाबिन्द ऑपरेशन की तैयारी हेतु बुलाए गए होते हैं। तीसरे वे स्थानीय जो सीधे उसी दिन होने वाले ऑपरेशन के लिए आते हैं।

अगर आप ओ.पी.डी. में जाएं तो पता चलेगा कि जो प्रथम बार आए हैं वह सर्वाधिक होते हैं एवं रिसेप्शन काउंटर पर अधिक वही लोग जानकारी प्राप्त करने हेतु इकट्ठे होते है। अब जो प्रथम बार जाँच के लिए आए है उनका रजिस्ट्रेशन फार्म भर कर क्रम में बिठाया जा रहा है। उधर जिनका नम्बर आ गया है उनको माइक पर पुकार कर ऑप्टोमिट्रिस्ट रूम में भेजा जा रहा है। जहाँ बारी–बारी से प्रत्येक रोगी के विजन की जाँच अत्याधुनिक मशीनों पर की जा रही है। जिनकी विजन टेस्ट हो चुका है उनको क्रम से डॉक्टर के पास भेजा जा रहा है जहाँ से तीन अवस्थाओं में होकर मरीज गुजरता है।

प्रथम : जिनको मामूली समस्या है उन्हें दवाइयाँ आदि लिखकर भेजा जा रहा है। दूसरा : पी.एम.टी. से चश्मे के नम्बर निकालकर उन्हें अगले दिन वास्तविक नम्बर देने के लिए आने की सलाह देकर भेजा जा रहा है। सुबह 10 बजे तक ओ.पी.डी. में भारी भीड़ जमा हो चुकी है अधिकाश रोगी ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगते हैं लेकिन शहरी भी काफी संख्या में हैं। लोग यत्र– तत्र–सर्वत्र आ जा रहें। कोई कोई जाँच हो चुकने के बाद अस्पताल से बाहर जा रहा है तो आवाजाही लगातार चल रही है। इधर जिन लोगों को प्रारम्भिक जाँच के बाद दवाई डाली गई थी उन्हें घंटा भर गुजर जाने के बाद पुनः डॉक्टर के पास भेजा जा रहा है। तो एक अन्य रूम में जिन लोगों के मोतियाबिन्द पाया गया है, उन लोगों की बी.पी., शुगर आदि की जाँच कर उन्हें ऑपरेशन की तारीख दी जा रही है। कुछ अन्य स्थानीय मरीज ऐसे भी हैं जिनका ऑपरेशन आज ही होना है, उनकी बी.पी. व शुगर की प्रीपेरेशन रूम में जाँच की जा रही है। अगर सब कुछ नार्मल पाया गया है तो उन्हें वार्ड में भर्ती कर ऑपरेशन कर दिया जाएगा। यह तीसरी अवस्था के मरीज हैं पहले जिन्हें मामूली समस्या थी, दूसरे जिनके नम्बर निकालने थे। अब एक अन्य समूह ऐसा भी है जिनका एक दिन पहले ऑपरेशन किया जा चुका है उनकी पट्टी इत्यादि खोल कर काले चश्मे पहनाए जा रहे हैं। साथ–ही–साथ छुट्टी के बाद किस प्रकार की सावधानियाँ बरतनी है उसकी काउंसलिंग की जा रही है। दवाइयाँ आदि देकर उनको 5 दिन व 1 महीने के बाद फॉलो–अप हेतु आने की सलाह दी गई है। इधर भीड़ में कुछ 5 दिन के व कुछ 1 महीने के फॉलो–अप वाले मरीज भी हैं जिन्हें प्रारम्भिक जाँच के बाद सीधे डॉक्टर सा. के पास भेजा जा रहा है। 2.00 से 2.30 बजे का लंच टाइम होने की वजह से मरीजों की एक रूम से दूसरे रूम की आवाजाही थम गई है। 2.30 बजे बाद डॉक्टर और स्टॉफ पुनः सक्रिय होकर पूर्ववत् प्रक्रियाएँ जारी रखे हुए है। धीरे–धीरे ओ.पी.डी. की भीड़ कम होती जा रही है। 4 बजे तक अंतिम जाँच के पश्चात् लगभग सारा ओ.पी.डी. खाली हो चुका है। वहीं अचानक वार्ड से एक–एक करके छुट्टी पाए लोग बाहर जा रहे हैं। उधर बाहर क्या देखते हैं कि तारा संस्थान की एम्बुलेंस आकर रुकी है एवं ग्रामीणों का एक समूह नीचे उतरकर अस्पताल में प्रवेश कर रहा है। ये वे मरीज हैं जो आस–पास के शिविरों से चयनित कर अगले दिन ऑपरेशन के लिए लाकर भर्ती किए जा रहे हैं। इस प्रकार तारा नेत्रालय के ओ.पी.डी. का एक और व्यस्त दिन समाप्त हुआ। लेकिन व्यस्तता में ही तो मस्ती है ऐसा हमारे सारे हॉस्पीटल स्टाफ और डॉक्टर सा. सोचते हैं तभी तो बिना टेंशन हंसते मुस्कराते ये सभी उन लोगों की आँखों में रोशनी ला रहे जिनके लिए ये जीवन अंधकारमय हो जाता वो भी सिर्फ इसलिए कि थोड़े पैसों की कमी थी और हाँ ये पैसा आपने भेज दिया।

– दीपेश मित्तल

निवासरत कुछ बुजुर्गों की प्रतिक्रियाएँ :

आनन्द वृद्धाश्रम

हम पति-पत्नी दोनों आशीर्वाद देते हैं : मीरापुर, प्रयागराज निवासी 87 वर्षीय मैं विलायती लाल सेठिया व पत्नी श्रीमती उषा (78 वर्षीया) जून 2019 से रवींद्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम, प्रयागराज में निवासरत हैं। हमारे बेटे अलग होकर अपने अपने काम में व्यस्त हैं। हमारा न तो घर–बार है ना ही कोई सहारा या सेवादार, दोनों बुजुर्ग इस उम्र में बिलकुल निराश्रित हैं। हर चीज़ के मोहताज और बड़े ही परेशान थे फिर एक दिन तारा संस्थान की दानदाता रेणुजी श्रीवास्तव ने स्थिति देखकर इन्हें रवींद्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम, प्रयागराज में प्रवेश दिलवा दिया। हम दोनों अब खुश हैं और आशीर्वाद देते हैं। तारा संस्थान बुजुर्गों का आशियाना है, सेवाभावी दानदाता खूब फूले फलें।

श्रीमती उषा व श्री विलायती लाल सेठिया, रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, प्रयागराज

यही हमारा घर परिवार है : मैं नाम विनय कुमार यादव है (उम्र 78 वर्ष) प्रयागराज का निवासी हूँ। मेरे बच्चे व परिवार नहीं है सो देखरेख कहने वाला कोई नहीं है। उम्र अधिक हो जाने के कारण कुछ गतिविधि भी नहीं हो सकती है। एक दिन पेपर में इस वृद्धाश्रम के बारे में जानकारी मिली तो दिसम्बर, 2017 में यहाँ प्रवेश लेकर रह रहा हूँ। तारा संस्थान जो सेवा कार्य कर रहा है वह प्रसंशनिय व लाजवाब है। यही हमारा घर परिवार है।

श्री विनय कुमार यादव, रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम, प्रयागराज

इतनी अच्छी व्यवस्था शायद ही किसी अन्य जगह पर होगी : मैं श्रीमती शांता देवी शर्मा उदयपुर में खाना बनाने का कार्य करती थी। पहले लोगों के घर–घर जाकर भोजन बनाती थी लेकिन अब उम्र बढ़ने के साथ यह संभव नहीं है ऊपर से स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है। मेरी एकमात्र बेटी थी वो भी अब इस दुनिया में नहीं रही सो मैं अकेली पड़ने के कारण आनन्द वृद्धाश्रम में चली आई। इस स्थान की जानकारी मुझे टी.वी. चैनलों के माध्यम से मिली।

श्रीमती शांता देवी, राजकीय वृद्धाश्रम, बलीचा, उदयपुर

हमारा कमरा आरामदायक एवं समस्त सुविधायुक्त है : मैं गौतम जैन सपत्नी 20 सितम्बर, 2018 से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। मैं पहले किसी दूकान पर कार्य करता था फिर शेयर मार्केट में कार्य करने लगा लेकिन इस बाजार से मुझे 2007 में भारी नुकसान हुआ और मेरे सारे पैसे फंस गए। हमारे कोई संतान नहीं है ऐसी स्थिति में हम पति–पत्नी दोनों किराए के मकान में अपना बुढ़ापा बिता रहे थे। फिर जानकारी मिलने पर यहाँ आवेदन किया और हमें आनन्द वृद्धाश्रम में एक कमरा आवंटित किया गया।

श्रीमती व श्री गौतम जैन, श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर

यहाँ की सारी सुविधाएँ बेस्ट हैं : मैं दिल्लीवासी गुरुचरण इस उम्र में अकेली हूँ अतः हम उम्र के साथियों के साथ आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर रहने चली आई हूँ। मेरे एक पुत्र व पुत्री हैं। मैं यहाँ पर खुश हूँ और लोगों के साथ भजन–कीर्तन, पूजा–पाठ आदि करके अपनी जीवन संध्या बीता रही हूँ।

श्रीमती गुरुचरण जी, श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

सबके प्रति कल्याण की भावना रखो।

कुछ लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ :

तारा नेत्रालय

तारा संस्थान तारा नेत्रालयों के नाम देश के 5 शहरों – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व गाजियाबाद में नेत्र अस्पताल चलाते हैं। ये नेत्रालय सामान्य नेत्र जाँच एवं निदान तथा मोतियाबिन्द जाँच एवं ऑपरेशन की प्रकिया हेतु आधुनिकतम मशीनों, उपकरणों एवं प्रशिक्षित नेत्र विशेषज्ञों एवं मेडिकल स्टाफ से सुसज्जित है। इन छहों नेत्रालयों में गरीब व जरूरतमंद मरीजों का पूर्णतः निःशुल्क उपचार होता है जिसमें हजारों रोगी प्रतिदिन लाभान्वित होते हैं। तारा नेत्रालयों द्वारा न सिर्फ स्थानीय ओ.पी.डी., जाँच एवं निदान होता है बल्कि दूरदराज व गरीब–आदिवासी क्षेत्रों में समय–समय पर ''नेत्र जाँच एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन चयन शिविर'' आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों को सुनियोजित प्रकार से आयोजित किया जाता है।

सब कुछ निःशुल्क था (उदयपुर)

मजदूरी करने वाली संगीता के दाई आँख में लकड़ी की फांक से चोट लग गई और तुरंत सही उपचार नहीं मिल पाने की वजह से धीरे–धीरे उनको दिखाई देना बंद हो गया। इधर–उधर छोटे–मोटे डॉक्टरों को दिखाया पर कोई फायदा नहीं हुआ। फिर कुछ लोगों ने तारा नेत्रालय, उदयपुर में जाने को कहा। तारा नेत्रालय में जाँच के पश्चात् आकर ऑपरेशन कर दिया गया जिसके पश्चात् उन्हें अच्छा दिखने लग गया है। संगीता जी कहती है कि जाँच से लेकर ऑपरेशन तक सब कुछ निःशुल्क था एवं किसी भी प्रकार को कोई परेशानी नहीं हुई, धन्यवाद!

पहले से भी बेहतर दिखाई दे रहा है (उदयपुर)

खेरवाड़ा निवासी कपड़ा व्यवसाई श्री राजेन्द्र जी की बाई आँख में धुंधला दिखाई देने लगा तो टी.वी. पर तारा संस्थान का कार्यक्रम देखकर वे तारा नेत्रालय, उदयपुर में जाँच करवाने आ गए। जाँच होने पर उनकी आँख में मोतियाबिन्द पाया गया। ऑपरेशन के पश्चात् उनकी दृष्टि पुनः ठीक हो गई। राजेन्द्र जी के अनुसार यहाँ 2 दिन उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई, खाने–पीने आदि भी निःशुल्क था। श्री राजेन्द्र जैन तारा का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि अब तो उन्हें पहले से भी बेहतर दिखाई दे रहा है।

सब निःशुल्क और बहुत बढ़िया है (दिल्ली)

मेरा नाम कमला है, मेरी उम्र 50 साल है। मैं टैगोर गार्डन में रहती हूँ। मेरी आँखों से मुझे धुंधला–धुंधला दिखाई देता था और आँख में काले–काले गोले भी आते थे। फिर मैंने तारा नेत्रालय में अपनी आँखों का ऑपरेशन कराया। अब मुझे अच्छा दिखाई दे रहा है। तारा नेत्रालय के सभी स्टाफ, डॉक्टर, ईलाज सब निःशुल्क और बहुत बढ़िया है।

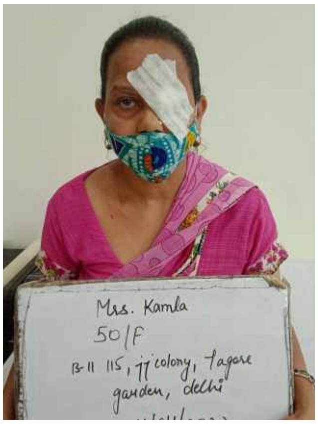

तारा नेत्रालय की सभी सुविधाएँ अच्छी लगी (लोनी)

मेरा नाम उषा देवी है। मेरी उम्र 46 साल है। मैं गाजियाबाद में रहती हूँ। मेरी आँखों से मुझे कम व धुंधला–धुंधला दिखाई देता था फिर मैंने तारा नेत्रालय से अपनी आँखों का फ्री में ऑपरेशन करवाया। अब मुझे साफ–साफ अच्छा दिखाई दे रहा है। मुझे तारा नेत्रालय की सभी सुविधाएँ अच्छी लगी। धन्यवाद!

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन 51000 रु.	09 ऑपरेशन 27000 रु.	06 ऑपरेशन 18000 रु.	03 ऑपरेशन 9000 रु.	01 ऑपरेशन 3000 रु.

कुछ लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ :

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना

भारत देश और विशेषकर राजस्थान में किसी युवा स्त्री का विधवा हो जाना एक भयंकर अभिशाप हो जाता है। ऊपर से उस विधवा के छोटे–छोटे बच्चे हों तो उन लोगों की स्थिति बहुत ही भयावह हो जाती है। कई मामलों में स्त्री के विधवा होने पर अपशकुन के भय से ससुराल वाले बेचारी युवा स्त्री को छोटे बच्चों सहित घर से निकाल देते हैं और वे दाने–दाने को मोहताज होकर दर दर भटकते फिरते हैं। समाज उन्हें सहायता देने की बजाय तिरस्कृत करता है। सरकार की कुछ योजनाएँ जरूर होती है परन्तु इन अशिक्षित, अनजान स्त्रियों को उनका लाभ कैसे मिले? ऐसी विकट स्थिति से निपटने हेतु तारा संस्थान ने यह योजना शुरू करके ऐसी निःसहाय विधवाओं को चुन कर उन्हें 1000 रु. मासिक पेंशन देकर कुछ राहत पहुँचाने का कार्य किया है।

बेटी की पढ़ाई का खर्च निकल जाता है (उदयपुर)

भगवती मेनारिया (40 वर्ष) : मेरे पति की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई थी। मेरे दो बेटियाँ हैं। एक बड़ी बेटी की अब शादी हो चुकी है व दूसरी अभी 13 वर्ष की है। ससुराल में ही एक कमरा दे रखा है। उसी में गुजारा चलता है। बेटियों की पढ़ाई, घर खर्च, सभी कुछ मुझ पर है। तारा संस्थान से 1000/– रु. महीना मिलता है। उससे बेटी की पढ़ाई का खर्च निकल जाता है और थोड़ा बहुत कोई भी छोटा–मोटा काम मिल जाता है तो कर लेती हूँ।

अब जिन्दगी थोड़ी आसान हो गई है (डूंगरपुर)

भाग्यश्री पाण्डे (30 वर्ष) : मैं आसपुर की रहने वाली हूँ मेरे पति की मृत्यु चलती बाईक पर अटैक आने पर गिरने से हो गई। दो ननंद हैं जिनकी शादी करनी बाकी है व स्वयं के दो छोटे बच्चे है बेटा 5 वर्ष का है व बेटी 8 वर्ष की है। सास–ससुर भी है जोकि बुजुर्ग हैं। घर में अन्य कोई कमाने वाला नहीं है। जब से तारा संस्थान से मदद के रूप में 1000 रु. मिलने लगे हैं तब से बहुत सहायता है। पहले 10–20 रु. के लिए भी मोहताज थी। अब स्वयं भी काम करती हूँ। आस–पास के लोग भी मदद कर देते हैं। अब जिन्दगी थोड़ी आसान हो गई है। तारा संस्थान को बहुत–बहुत धन्यवाद!

तारा संस्थान की आभारी हूँ (अहमदाबाद)

गीता जोगी (28 वर्ष) : मेरे पति स्व. श्री गोविन्द जी की मृत्यु एक्सीडेंट से हो गई 11 मई, 2019 को। मेरे ससुराल वालों ने पति की मृत्यु के 2 वर्ष बाद ही मुझको घर से अपने बच्चों के साथ निकाल दिया तब से मैं अपने बच्चों के साथ अपने माता–पिता के यहाँ रह रही हूँ। मेरा पीहर पक्ष भी बहुत कमजोर है। बच्चे बहुत छोटे हैं तो मैं कहीं काम भी नहीं कर सकती। तारा संस्थान से मुझको गौरी योजना के अन्तर्गत जोड़ा गया एवं मुझको 2000 रु. महीना मिलता है, राशन भी मिलता है एवं कमरे का किराया भी देते हैं।

अब पीड़ा कुछ कम हुई है (उदयपुर)

अनिता गुर्जर : मेरी उम्र 32 वर्ष है, मेरी शादी अजमेर नसीराबाद में हुई है। मेरे दो बच्चे हैं 12 वर्ष, 14 वर्ष के। मेरे पति शराब बहुत पीते हैं। इसी शराब की लत के चलते उन्होंने एक दिन मुझ पर केरोसीन डाल कर मुझको जला दिया मेरा शरीर 85 प्रतिशत जल चुका है। मेरे बड़े बेटे ने समय पर मुझ पर पानी डाल दिया जिससे आज मैं जिन्दा हूँ। मैं अभी उदयपुर अपनी माँ के साथ बच्चों सहीत रहती हूँ। अब मैं कोई काम नहीं कर सकती, ना ही ठीक से चल पाती हूँ। मैं अपनी पीड़ा बता नहीं सकती। तारा संस्थान से 2000 रु. महीना मिलता है, राशन भी मिलता है।

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा 01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

परीक्षायें ही परिपक्व करने का आधार है।

कुछ लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ :

अन्नदान (तृप्ति) योजना

तारा संस्थान द्वारा दीन–दुखियों एवं समाज के वंचित वर्गों हेतु चलाई जा रही अनेक योजनाओं में एक विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं : अन्नदान (तृप्ति) योजना इन योजना के अन्तर्गत तारा संस्थान के स्वयं सेवी दूर–दराज के अन्दरूनी गाँवों या शहरों में भी ऐसे वृद्ध व्यक्ति की पहचान करते है जो निःसहाय व बेसहारा हैं, जिनको कोई मदद करने वाला नहीं हो एवं जिन्हें दो जून की रोटी भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती है क्योंकि वृद्धावस्था अथवा अन्य कारणों से वे कोई काम नहीं कर पाते हैं। ऐसे वृद्धों व जरूरतमंदों की पहचान कर, संस्थान उन्हें मासिक राशन आदि व 300 रु. नकद उनके घर द्वार पर पहुँचाता है। अन्नदान (तृप्ति) योजना की इस पहल से यह तो सुनिश्चित हो जाता है कि निःसहाय वृद्ध जीवन के इस मोड़ पर कम–से–कम भूखे तो न मरें।

बुढ़ापे में आपका साथ है

श्रीमती दलु बाई मीणा (72 वर्ष) : मेरे पति की मृत्यु हो चुकी है मेरी एक लड़की है उसका मानसिक सन्तुलन ठीक नहीं है। उसके पति ने उसको निकाल दिया है। वह पीहर में मेरे साथ में रहती है। कच्चा मकान है। आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है और उम्र ज्यादा होने से मेरे से कोई कार्य भी नहीं होता है।

मुझ अकेले वृद्ध को बहुत सहारा मिला है

श्री जग्गाराम डाँगी (75 वर्ष) : मैं अकेला हूँ। मेरे कोई संतान नहीं हैं, पत्नी की मृत्यु हो गई। उम्र को देखते हुए मुझसे कोई कार्य नहीं होता, खेती बाड़ी भी नहीं कर सकता। एक कच्चे मकान में रहता हूँ। मेरी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। आर्थिक रूप से बहुत ही परेशान हूँ।

दो समय भोजन की व्यवस्था हो गई है

श्री लाल सिंह (63 वर्ष) : मैं हाथ पैर से विकलांग हूँ। मुझे लकवा बीमारी हो गई। परिवार में हम पति–पत्नी दोनों ही हैं, और देखरेख करने वाला कोई नहीं है। एक लड़की है जो ससुराल में रहती है कभी–कभी आती है और हमको सम्भालकर चली जाती है। बड़ी कठिनाई होती हैं परिवार को चलाने में है।

माँ–बेटे को तारा का ही सहारा है

श्रीमती गेबी बाई (71 वर्ष) : मेरे पति की मृत्यु हो चुकी है। एक पुत्र है जिसको एक आँख से दिखाई नहीं देता है। गाँव में कोई छोटा – मोटा कार्य मिलता है तो कर लेते हैं। मकान कच्चा है जिसमें हम माँ बेटे दोनों रहते करते हैं। आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है।

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री 01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

कुछ लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ :

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर

गरीब व छोटी उम्र में विधवा हो चुकी महिलाओं के बच्चों की शिक्षा हेतु शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर चलाया जा रहा है जिसमें विधवाओं के बच्चों को कोई शुल्क नहीं देना पड़ता है। स्टेशनरी, यूनिफार्म व आवागमन की सुविधा भी पूर्णतः निःशुल्क है।

सब सुविधाएँ बच्चों को दी जा रही हैं

ललिता कुँवर (31 वर्ष) : पति की मृत्यु के बाद बच्चों को पालना बहुत मुश्किल हो गया था। मेरे देवर की आँख में कुछ गिरने पर तारा संस्थान, सेक्टर 6 में दिखाने गये थे, वहाँ पर इस योजना की जानकारी मिली। मैं तारा संस्थान के लिए जितना भी बोलू कम है, क्योंकि मेरे दोनों बच्चे तारा संस्थान के अन्तर्गत चलने वाले इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं और सब सुविधाएँ बच्चों को निःशुल्क दी जा रही हैं।

आज मेरे बच्चे इंग्लिश मीडियम स्कूल में फ्री में पढ़ रहे हैं

मंजू सालवी (35 वर्ष) : पति की मृत्यु होने के बाद मेरे जेठ–जेठानी का व्यवहार मेरे और तीनों बच्चों के साथ अच्छा नहीं था। मैं अपनी माँ के पास चली गई, लेकिन वह भी सक्षम नहीं थी। मैंने काम करना शुरू किया, जहाँ पर काम करने वाले साथियों से मुझे तारा संस्थान की इस योजना की जानकारी मिली। तारा संस्थान ने मेरे जीवन में खोई हुई उम्मीदें फिर से जगाई। उन्हीं के कारण आज मेरे बच्चे इंग्लिश मीडियम स्कूल में फ्री में पढ़ रहे हैं। मुझे महीने में राशन भी निःशुल्क दिया जाता है।

मेरी तीनों बेटियों को निःशुल्क शिक्षा सुविधाएँ दी

रेखा लौहार (45 वर्ष) : मेरे पति की मौत के बाद मेरे ससुराल वालों का व्यवहार अच्छा नहीं था, सास के द्वारा मुझे व मेरी तीनों बेटियों को परेशान किया जाता था। बच्चों के गुजारे के लिए में घरों में काम करने लगी, वहीं पर मेरी एक साथी ने मुझे तारा संस्थान के बारे में बताया जहाँ मुझे विधवाओं सम्बन्धित योजना की जानकरी मिली। मैं तारा संस्थान को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि उन्होंने विद्यालय में मेरी तीनों बेटियों को निःशुल्क सभी सुविधाएँ दीं। मुझे गौरी योजना से जोड़ा। जब मुझे कोई समस्या होती है, तो संस्था की तरफ से मुझे पूरी सहायता दी जाती है।

मेरे तीनों बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो पाया है

संतोष सेन (32 वर्ष) : मेरे पति मुझसे मारपीट करते थे, फिर उन्होंने दूसरी महिला के लिए मुझे और मेरे तीन बच्चों को बेसहारा छोड़ दिया। देवर ने सहयोग दिया लेकिन वह भी अपनी गृहस्थी की जिम्मेदारियों के कारण ज्यादा साथ नहीं दे पाए। मुझे तारा संस्थान के विद्यालय में पढ़ने वाली किरण की मम्मी से इस योजना की जानकारी मिली। तारा संस्थान को धन्यवाद देना चाहूँगी, क्योंकि उनके ही प्रयास से मेरे तीनों बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो पाया है।

कुछ लाभार्थी बच्चे :

मस्ती की पाठशाला

जुलाई 2016 में स्थापित "मस्ती की पाठशाला" नामक विशेष इवनिंग स्कूल का उद्देश्य उदयपुर के आस–पास के झुग्गी–झोंपड़ी के क्षेत्रों के बच्चों (जो कि कचरा बीनने का का कार्य करते एवं इधर–उधर भटकते थे) को बेहतर भविष्य प्रदान करने में मदद करना था। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा के साथ–साथ इनमें स्वच्छता की भावना भी जागृत करवानी है। उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर भी सीख दी जाती है। साथ ही साथ नृत्य और खेल आदि भी होते हैं।

मस्ती की पाठशाला में हम बहुत मजे करते हैं

दादी - जमना बाई

मेरे पोती और पोता प्रिया व हर्ष को मस्ती की पाठ्शाला आते हुए 6 साल हो गए है। बच्चों को पढ़ाने के लिए कोई फीस नहीं ली जाती है। बच्चे यहाँ आते है तो सबसे अच्छा यह लगता है कि इन बच्चों को निःशुल्क पढ़ाया जाता है और पढ़ाई की सामग्री भी यही से दी जाती है और भी बहुत कुछ सिखाते है इस स्कूल में।

प्रिया सालवी (14 वर्ष)

हर्ष सालवी (9 वर्ष)

लड़कियों को अलग से प्रशिक्षित करते हैं

दीदी - अर्शी बानो

हम जब बहुत छोटे थे तब हमारे पिता का देहान्त हो गया था। बड़ा भाई डेन्टिंग का काम करता था पर काम से निकाल दिया गया। फरवरी, 2022 में हमारी माता का पथरी का ऑपरेशन हुआ। मेरी छोटी बहन कायनात दिसम्बर 2022 से मस्ती की पाठशाला में जा रही है। अच्छा लगता है कि यहाँ निःशुल्क पढ़ाया जाता है। इससे हमें बहुत सहारा मिलता है। 5 वीं बोर्ड कक्षा के बच्चों को अलग से बिठाकर तैयारी करवाते है। यहाँ लड़कियों को अलग से प्रशिक्षित किया जाता है, बच्ची हमें घर आकर बताती है तो हमें बहुत संतुष्टि होती है।

कायनात बानू (11 वर्ष)

मिलिए कुछ और बच्चों से

नन्दिनी चनाल (12 वर्ष) : नन्दिनी के पिताजी नहीं है और माँ नगर निगम में रोड की सफाई का काम करती है। यह पढ़ाई में होशियार है।

अंजू ओड़ (14 वर्ष) : पूरा परिवार गाँव में रह कर ईटों के भट्टों पर कार्य करता था। लेकिन पिता बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते थे इसलिए वह अपने परिवार के साथ शहर की ओर आ गए।

यश मेघवाल (9 वर्ष) : यह बहुत की होनहार बच्चा है। इसके पिताजी सब्जी का ठेला लगाते है और माता झांडू–पौंछा करने जाती है। यश बड़ा होकर आर्मी में जाना चाहता है।

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000/- प्रति वर्ष

कल्याणी योजना :

कोरोना महामारी के दौरान विधवा हुई निराश्रित महिलाओं हेतु

मदद राशि रु. 2500 प्रतिमाह

तारा संस्थान द्वारा कोरोना महामारी के दौरान विधवा हुई निराश्रित महिलाओं की मदद हेतु कल्याणी योजना बनाई गई हैं। योजना की पात्रता एवं अन्य विवरण :

- ❖ **महिला की अधिकतम उम्र 45 वर्ष।**
- ❖ **महिला के पति की मृत्यु कोरोना महामारी से हुई हो (मृत्यु प्रमाण पत्र आवश्यक)**
- ❖ **महिला के परिवार में कोई अन्य कमाऊ सदस्य ना हो।**
- ❖ **महिला के बच्चे छोटी उम्र के होकर कमाने लायक ना हो।**

मो. नं. 95493 99993, 96493 99993

मुम्बई के ख्यात डॉक्टर्स द्वारा रेटिना (आँखों के पर्दे) परामर्श

- ❑ यदि आपकी उम्र 35 वर्ष से ऊपर है।
- ❑ यदि आपको या आपके परिवार में किन्हीं को डायबिटिज (शुगर) की बीमारी है।
- ❑ डायबिटिज से रेटिना खराब हो सकता है और आँख हमेशा के लिए खराब हो सकती है।
- ❑ रेटिना को सही रखना है तो बचाव ही सबसे सही ईलाज है।
- ❑ तारा नेत्रालय में मुम्बई के सबसे बड़े नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कुलीन कोठारी की संस्थान "विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया" (Vision Foundation of India) के कार्यक्रम शुगर एण्ड साइट (Sugar and Sight) के माध्यम से रेटिना की निःशुल्क जाँच की जाएगी और मुम्बई के डॉक्टर्स द्वारा परामर्श दिया जाएगा।
- ❑ कृपया योजना का लाभ उठायें।
- ❑ जाँच के लिए रिसेप्शन पर सम्पर्क करें।

कोई भी सज्जन जो आँखों के पर्दे की समस्याओं से पीड़ित हैं वह निम्न नंबर पर संपर्क कर सकते हैं :

95493 99993, 96493 99993

व्यवस्थापक : **तारा नेत्रालय**

लक्ष्यहीन मनुष्य का जीवन कौड़ी तुल्य है।

आवश्यक सूचना

सभी दानदाताओं से हमारा निवेदन है कि संस्थान की मासिक पत्रिका तारांशु आपको WhatsApp के माध्यम से चाहिए तो निम्न नम्बर पर सूचित करावें :

मो. नं. 9549399993

तारांशु
मासिक

न्यूज ब्रीफ : 1

09.02.2022 — **Happy Birthday Mr. & Mrs. Bhargava Sb.**

तारा संस्थान, उदयपुर के मुख्य संरक्षक श्रीमती पुष्पा व श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव सा. (दिल्ली) के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर तारा संस्थान के समस्त तारा नेत्रालयों (उदयपुर, दिल्ली, मुंबई, फरीदाबाद व लोनी) में मरीजों के साथ साथ परिचारकों को फल वितरित किये गए तथा आनंद वृद्धाश्रम उदयपुर व समस्त तारा परिवार के लिए भोजन महाप्रसाद रख कर भार्गव दम्पति को दीर्घायु जीवन हेतु शुभ कामनाएँ प्रेषित की गई।

21.02.2022 — **ABAS Camp**

153th Akhil Bhartiya Aggarwal Sammelan Eye Camp DCP Office, Parliament Street, New Delhi 110001, Camp Report : Chief Guest: Shri Amrendra K. Singh, Joint C.P. New Delhi Range, Sponsored by: Ram Narayan Krishna Devi Jain Foundation (Reg.), Cooperation : Shri Deepak Yadav--D.C.P. New Delhi, OPD - 960, Medicine Provided - 500, Specs Provided - 488, Patients selected - 10, Hearing Aids Provided - 05, Courtesy: Shri Satya Bhushan Jain (National Senior Vice President ABAS)

22.02.2022 — **Birthday Celebration at Anand Old Age Home**

On the 83rd Birthday of Dr. Harishchandra Shrivastva, his daughter Ms Bharati Raj (R.Ac.S. additional Director, Pention - Udaipur) sponsored meal service for the residents of Shrimati Krishna Sharma Anand Vruddhashram Udaipur. In the program organized by Tara Sansthan, both Father& Daughter were present.

28.02.2022

Seniors on Picnic

विगत दिनों आनंद वृद्धाश्रमवासी पिकनिक मनाने लाल बाग, नाथद्वारा गए जहाँ पर सभी ने भजन गाये, खूब नृत्य–गान किया, संग्रहालय देखा व भोजन का आनंद लिया।

05.03.2022

Extra Curricular Activities

मस्ती की पाठशाला में पाठ्येतर गतिविधियों की कुछ झलकियां।

08.03.2022

International Women's Day

International Women's Day Celebrated at Anand Old Age Home of Tara Sansthan : Woman Judge Honored 100 Women

The Chief Guest on this occasion was the Commercial Judge of Udaipur Court, Mrs. Shivani Johar Bhatnagar and the President, Mrs. Rajeshwari Narendran, Professor of Sukhadia University. Elderly women of Anand Old Age Home and 100 working young women working in Tara Sansthan were felicitated.

02.03.2022

Snacks at OPD

तारा नेत्रालयों में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से मरीज़ ओर उनके परिचारक सुबह–सुबह 8 बजे से ही भारी संख्या में जाँच हेतु आ जाते हैं एवं चूंकि उन्हें अपनी बारी का लम्बे समय तक इंतज़ार करना पड़ सकता है तो ये लोग भूखे प्यासे न रहे सो तारा संस्थान उनको मुफ्त बिस्कुट आदि का वितरण करता है।

08.03.2022

Happy Birthday Lata Ji

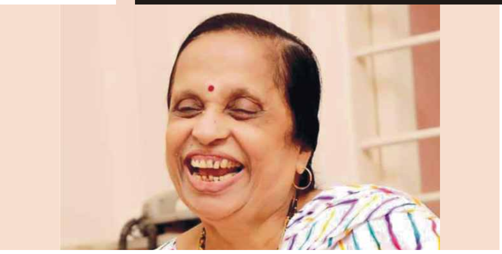

तारा संस्थान की दानदाता श्रीमती लताजी भाटिया के 72वें जन्म दिवस पर समस्त तारा परिवार की ओर से उन्हें ढेरों हार्दिक शुभकामनाएँ।

08.03.2022

Mega Camp

MEGA CAMP: 155th Akhil Bhartiya Agarwal Sammelan, Camp Report - 08/03/2022, Venue: Office Of The Deputy Commissioner Of Police DCP Office Complex, East District, I.P. Ex. Mandawali Fazalpur, Delhi 110092, Chief Guest: Shree Rajender Prasad-ACP East District, Smt. Vinita Tyagi-ACP East District, Sponsored by: Ram Narayan Krishna Devi Jain Foundation (Reg.), OPD - 856, Medicine given - 498, Specs given - 436, Patients selected - 3, Hearing aid given - 6, Satya Bhushan Jain National Senior Vice President ABAS, 9811197000

राग द्वेष के बदले वैराग की भावना रखो।

Tara

13.03.2022

Mega Eye Camp

MEGA EYE CAMP on 13th March in Haryana, Venue: Baba Vishandas Dham, Devi Wala Bagh, Tajpur Road, Murthal Village, Sonipat (Haryana), OPD - 578, Medicine Given - 469, Spects Given - 420, Patients Selected - 33

23.03.2022

World Optometry Day 2022

Glimpses of the "World Optometry Day 2022" Celebration at Various Tara Netralayas

23.03.2022

Mega Eye Camp in Delhi

Mega Eye Camp in Delhi in Shahid Diwas, Date: 23rd march, 2022, Venue: Office of Mr Manoj Shaukin (Ex-MLA) Nihal Vihar, Delhi-63, Camp Report : OPD - 498, Medicine Given - 470, Specs Given - 480, Patients Select - 43, Operation - 14

26.03.2022

Activities at Masti Ki Pathashala

मस्ती की पाठशाला में नियमित रूप से आयोजित किये जाने वाली पाठ्योत्तर गतिविधियों के कुछ दृश्य।

दानदाताओं व प्रेरकों का तारा संस्थान दौरा

संस्थान के शालीमार पार्क के प्रेरक श्री रविशंकर जी अरोड़ा सा. उदयपुर अपने साथ दानदाताओं व प्रेरकों के लेकर पधारे। आप सभी के साथ संस्थान के सेवा कार्यों को गति प्रदान करने के लिए क्या और प्रयास किये जाये इसके लिए चर्चा की गई है व सभी ने अपना सहयोग व राय इसमें दी है। आप सभी पधारे आपका धन्यवाद! अरोड़ा सा के साथ पधारने वाले प्रेरक व दानदाताओं के नाम यह है।

श्री अमरीश जी मेहरा, श्री अनिल जी जैन, श्री बृज किशोर जी, श्री तारा चन्द जी गुप्ता, श्री चांद जी तुली, श्री बलवीर जी शर्मा, श्रीमती कुसुम जी वर्मा, श्रीमती शोभा जी जैन, श्रीमती प्रमोद जी मेहरा, श्रीमती लता जी।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह फरवरी, 2022 - मार्च, 2022 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय - उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी में आयोजित शिविर : सौजन्यकर्त्ता :

श्री संतोष कुमार जैन एवं श्रीमती राज जैन - मुम्बई,
श्री रमेश जैन धर्मपत्नी श्रीमती निशा जैन - शिलांग (मेघालय), कुमारी नताशा पुत्री श्री रमेश जैन - शिलांग (मेघालय)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री कोमल शर्मा - दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन - दिल्ली,
श्री सुरेश कुमार एवं सन्स - सोनीपत, जोगिन्दर सिंह मान फाउण्डेशन - दिल्ली,
मालाश्री फाउण्डेशन - नई दिल्ली, सचखण्ड नानक धाम - लोनी,
महाराजा अग्रसेन विवाह समिति - सेक्टर 19 फरीदाबाद, मेसर्स एस.एस. कॉरपोरेशन - मुम्बई,
डी.बी.सी.एस. - उदयपुर, श्री रामकिशन बंशीलाल राठी एवं श्री सुरेन्द्र कुमार बंशीलाल राठी - मुम्बई,
मेसर्स आर.के. ट्रेडर्स - मुम्बई, श्रीमती अर्चना जी - दुर्ग (छ.ग.)
श्री आदाराम भाटिया - सिरोही, श्री अजय कुमार भद्रा - दुर्ग (छ.ग.),
विदुला प्रभाकर कुलकर्णी - जलगाँव, चिरंजीवी योजना, जिला अंधता निवारण समिति - उदयपुर,
श्री पन्ना लाल कोठारी - उदयपुर

Thanks : NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mrs. Dangari Bai - Mr. Tararam Chodhari
Chennai

Dr. A.K. Saxena - Mrs. Aarti Saxena
Bareilly (U.P.)

Mr. Bajrang Lal - Mrs. Saraswati
Lundiya, Secunderabad

Mr. Basant Kumar -
Mrs. Jaywanti Shrivastav, Ujjain (M.P.)

Lt. Mrs. Sushila - Mr. Prakash Oberoi
Chamba (H.P.)

Nitya Wadhwani
Yavatmal (MH)

Lt. Mrs. Urmila - Mr. Tejilal Mishra
Jhansi (U.P.)

Mrs. Rameshwari Devi -
Mr. Anandi Lal Chhipa, Beawar (Raj.)

Mrs. Leena Jain - Mr. Tara Chan Jain
Baran (Raj.)

Mrs. Manisha Gopvani
Nagpur

Mr. Jugraj Lukand
Bangalore

Lt. Mrs. Mankunwar
Jhelawat, Indore (M.P.)

Mr. Radheshyam Goyal
Hyderabad

Mr. Vinod Jain
Bundi (Raj.)

Lt. Mrs. Kamlesh Jain
Baghpat (U.P.)

Lt. Jasumati Hasmukh
Raothre, Mumbai

Mr. Sujeet Ji
Nagpur

Mr. Raj Kumar Bajaj
Kolkata

जो सदा सन्तुष्ट है वही सदा हर्षित एवं आकर्षण मूर्त्त है।

‘तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया’

श्रीमती जया - श्री जिनेन्द्र जैन
जबलपुर (म.प्र.)

श्रीमती लीला साहू
जबलपुर (म.प्र.)

श्रीमती एवं श्री विरेन्द्र कुमार जी
करनाल (हरि.)

श्री श्याम लाल - श्रीमती विनीता शर्मा
लुधियाना (पंजाब)

श्री ओम प्रकाश - श्रीमती जसविंदर कौर सुनाम
संगरूर (पंजाब)

श्रीमती उषा, श्रीमती कुसुम श्रीवास्तव
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री रणजीत जी एवं श्री मनीष जी
भाटापारा (छ.ग.)

श्री मदन लाल शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री पंकज सपरा पुत्र श्री श्याम सुन्दर सपरा
रोहिणी, दिल्ली

श्री करणीदान पारख एवं
श्री पिरदान पारख, अहमदाबाद (गुज.)

श्री राजेश - श्रीमती कविता जैन
जयपुर (राज.)

मास्टर दिव्य एवं मास्टर तक्ष
जयपुर (राज.)

श्रीमती राजेश जैन - प्रो. वी.के. जैन
दिल्ली

श्रीमती वंदना - श्री सुनील वाधवा
तिलक नगर, मुम्बई

श्रीमती मधु - श्री मुरारी लाल अग्रवाल
मुम्बई

श्रीमती पुष्पा जैन
जबलपुर (म.प्र.)

श्री राम प्रकाश जी
पानीपत (हरि.)

श्री महेश चन्द्र गर्ग
भोपाल (म.प्र.)

श्री शंकर लाल मिश्रा
जबलपुर (म.प्र.)

श्रीमती सरला वर्मा
जबलपुर (म.प्र.)

श्री सतपाल गोयल
पटियाला (पंजाब)

श्री संपथ राज जी
बैंगलोर

श्री माखन लाल अग्रवाल
अंबिकापुर (छ.ग.)

श्री राधे मोहन अग्रवाल
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री विजय वर्मा
जोधपुर

श्री एल.सी. मल्होत्रा
दिल्ली

श्रीमती कृष्णा देवी
दिल्ली

श्री गोपाल कृष्ण बत्रा
दिल्ली

श्री राजेश अग्रवाल
दिल्ली

श्री ओम प्रकाश जी
कोटा (राज.)

श्री इन्द्रवन्दन सी. कोठारी
मुम्बई

श्री के.वी. भावसार
मुम्बई

श्री अरविन्द कुमार
कांतिलाल जैन, मुम्बई

श्री हसमुखभाई आर. राठौड़
मुम्बई

श्री सुरेन्द्र सरावगी
हैदराबाद

श्रीमती रामदुलारी बंसल
हैदराबाद

श्री वेणी चन्द जैन
सलुम्बर, उदयपुर (राज.)

श्री कृष्णकांत अग्निहोत्री
कटनी (म.प्र.)

श्री मोहन मिगलानी
भोपाल (म.प्र.)

एडवोकेट हिमांशु राय
भोपाल (म.प्र.)

श्री कैलाश चन्द्र खत्री
बीकानेर (राज.)

श्री जनक राज मुखिया
बीकानेर (राज.)

श्री राजकुमार खटोड़
बीकानेर (राज.)

श्री जिनेन्द्र कुमार जैन
बीकानेर (राज.)

श्री लक्ष्मणलाल तुल्यनी
बीकानेर (राज.)

श्री डूंगरचन्द भूराराम जी
बाड़मेर (राज.)

श्री प्रभु दयाल खत्री
बीकानेर (राज.)

शेष अगले पृष्ठ पर

पिछले पृष्ठ से जारी...

श्रीमती पुष्पता - श्री गजानन्द संघी
हैदराबाद

डॉ. एन. आनन्दम - श्रीमती एन. भाग्य लक्ष्मी
हैदराबाद

श्रीमती एवं श्री सत्यनारायण जी
हैदराबाद

श्रीमती मधु कामनानी पुत्र श्री कमल किशोर कामनानी, सिकन्दराबाद

श्रीमती आदर्श बाला - श्री रमेश कुमार सैगल
हैदराबाद

श्री मित्रेश कुमार दुबे
रायपुर (छ.ग.)

श्री हेमंत कुमार जैन
रायपुर (छ.ग.)

श्री मुरली प्रसाद अग्रवाल
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री बालकिशन जवाहर
जहीराबाद (तेलंगाना)

श्री हेमराज पीपाड़ा
हैदराबाद

श्री पवन कुमार अग्रवाल
श्रीगंगानगर (राज.)

श्री करन मंगवाना
हनुमानगढ़ (राज.)

श्री ओमप्रकाश सुखेजा
श्रीगंगानगर (राज.)

श्री ओमप्रकाश गर्ग
श्रीगंगानगर (राज.)

श्री मानक चन्द जी
श्रीगंगानगर (राज.)

श्री पवन कुमार गुप्ता
श्रीगंगानगर (राज.)

श्री रामकुमार गर्ग
कुरुक्षेत्र (हरि.)

श्री रमेश होज़री
सोनीपत (हरि.)

श्री विजय किशोर जी
हैदराबाद

श्री संदीप जी
भाटापारा (छ.ग.)

श्रीमती मुन्नी देवी जी
दिल्ली

श्री राजेन्द्र गोयल
दिल्ली

श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री राम अवतार शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री राजेश जैन
आगरा (उ.प्र.)

श्री महेश मालपानी
जयपुर (राज.)

श्री धनराज सोनी
जोधपुर (राज.)

श्रीमती चौबीसा
जयपुर (राज.)

श्री राजकुमार कोठारी
दिल्ली

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के इन दानदाता का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि। हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

स्व. श्रीमती पुष्पा जी मारवाह
पति स्व. श्री अमरिक सिंह जी मारवाह, दिल्ली

स्व. श्रीमती शास्त्री देवी जी
पति श्री बी.एल. कालिया, कांगड़ा (हि.प्र.)
(स्वर्गवास 22 फरवरी, 2022)

Our Preraks हमारे प्रेरक

Mr. Ravi Sankar Arora
H. No. 4/1461, Gali No. 2, Shalimar Park, Shahdra, Delhi-32
Mob. 9810774473

Mrs. Parmod Mehra - Mr. Amrish Mehra
Flat No. 801 A Block Platinum Height, Sec 8 Ramprastha Green Vaishali Ghaziabad (U.P.) 201010, Mob. 8368658437, 9313363757

Mrs. Kumud Sharma
B-30, Maunt Everest Society, Plot No. 17, Sec-9, Dwarka, New Delhi-77
Mob. 9810547565

Mrs. Chander Kwatra / Mrs. Durga Grover
WZ-1881, G Floor, Multani Mohlla, Rani Bagh, Near Krishna Mandir, Delhi-3
Mob. 9811387881, 8882922220

Mr. Raju Agarwal
TA-115, Okhla Main Road, Tughlakabad Extn., New Delhi-19
Mob. 7042188760, 9212116576

Mrs. Harsh Arya
A-140, G. Floor, Sarswati Vihar, Delhi-110034
Mob. 8920727218

Mr. Tej Ram Saini / Mr. Bhoop Singh Saini
Plot No. 649, Gali No. 1, Saini Vihar, Mundka, New Delhi- 110041
Mob. 9990925858, 8700460958

संबंधित क्षेत्र में सहयोग देने हेतु आप उपरोक्त फोन पर सम्पर्क कर सकते हैं।

करुणा की बहती धारा में अपने अविवेक को धो डालो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ravindra Garg
Area Lucknow (UP)
Cell : 09358300777

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Mumbai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Dilip Kumar Choubisa
Area Ahmedabad, Ratlam
Mandsaur, Neemuch
Cell : 07821855745

Rajendra Audichya
Area Nagpur & Pune (MH)
Cell : 07821855736

'TARA SANSTHAN' - PRERAKS

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai
400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Shri Sachin Bhatia Eye Hospital (Under Tara Netralaya - Udaipur)
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. 7821855749

Tara Netralaya - Delhi
371, Main Najafgarh Road, Opposite Metro
Pillar No. 724, Nawada, Uttam Nagar,
New Delhi 110059
Mob. No. 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
2nd Floor, Sneh Crown, Near Apna Ghar
Phase - 3, Kala Silk, Silvar Sarita, Meera Village,
Kashimira, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001,
Mob. No. 7821855748

Tara Netralaya - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898,
Mob. No. 7229852220

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. 7821855757

Smt. Krishna Sharma Anand Vrudhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-Block, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. 7821055720

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001
Mob. 7229852229

Ravindra Nath Gaur Anand Vrudhashram - Prayagraj
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Prayagraj -
211022 (U.P.), Mob. 7821855755

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. 9636016973

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, अप्रैल 2022 - मई 2022
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2021-2023
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन विशिष्ठ संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छितदिनांक को प्रतिवर्ष 5 मोतियाबिन्द ऑपरेशन
आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छितदिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु.,
06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन 3500 रु. (एक समय)

मोबाइल से स्कैन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

Paytm 9549399993

G Pay 7821855724

पे 7821855724

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस — 'पारस' रात्रि 7:40 से 8:00 बजे

आस्था भजन — 'आस्था भजन' रात्रि 8:00 से 8:20 बजे

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Punjab Nationa Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Pan Card No.	TARA - AABTT8858J	

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org